हिन्दी साप्ताहिक

न्यूज आइकॉन

T.C. NO. MAHHIN10172

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला | ईमेल: newsicon2021@gmail.com | मूल्य: रु. - 2/-

वर्ष: 4 | अंक: 14 | पृष्ठ: 4 | शुक्रवार,मुंबई 26 अप्रैल से 02 मई 2024

अखिलेश यादव ने कन्नौज से भरा नामांकन

कन्नौज। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरुवार दोपहर कन्नौज लोकसभा सीट से गठबंधन प्रत्याशी के तौर पर अपना नामांकन दाखिल किया। अखिलेश यादव ने चार सेट में अपना नामांकन दाखिल किया। इस मौके पर सपा के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव प्रो रामगोपाल यादव, सपा जिलाध्यक्ष कलीम खान, पूर्व विधायक कल्याण सिंह दोहरे

और पार्टी के प्रदेश सचिव आकाश शाक्य प्रस्तावक के रूप में मौजूद रहे। इससे पहले सपा अध्यक्ष ने एक्स पर अपने नामांकन की एक पुरानी तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा ह्लफिर इतिहास दोहराया जाएगा, अब नया भविष्य बनाया जाएगा। अखिलेश के चुनाव मैदान में उतरने के फैसले का स्वागत करते हुए भाजपा उम्मीदवार और मौजूदा सांसद सुब्रत पाठक ने कहा कि अब मुकाबला बराबरी का हुआ है। अगर तेज प्रताप उतरते तो यह मैच भारत नेपाल की तरह एकतरफा होता मगर अब यह मुकाबला भारत पाकिस्तान मैच की तरह रोमांचक होगा।

होटल में लगी आग, 6 की मौत, 20 घायल

पटना। बिहार की राजधानी पटना के कोतवाली थाना क्षेत्र में पटना जंक्शन के पास एक होटल में गुरुवार सुबह अचानक आग लगने से छह लोगों की मौत हो गई तथा 20 लोग झुलसकर घायल हो गए। नगर पुलिस अधीक्षक (मध्य) चंद्र प्रकाश ने पटना जंक्शन के पास पाल होटल में आग लगने से छह लोगों की मौत होने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि मृतकों में तीन पुरुष और तीन महिला हैं, जिनकी तत्काल पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, प्रथमदृष्टया आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट है। आग लगने के बाद होटल में रखे सिलेंडर में भी विस्फोट हुआ, जिससे आग और भड़क गई। देखते ही देखते आग चार मंजिला भवन के सभी तल पर फैल गई और पास वाली बिल्डिंग को भी अपनी जद में ले लिया। आग लगने की

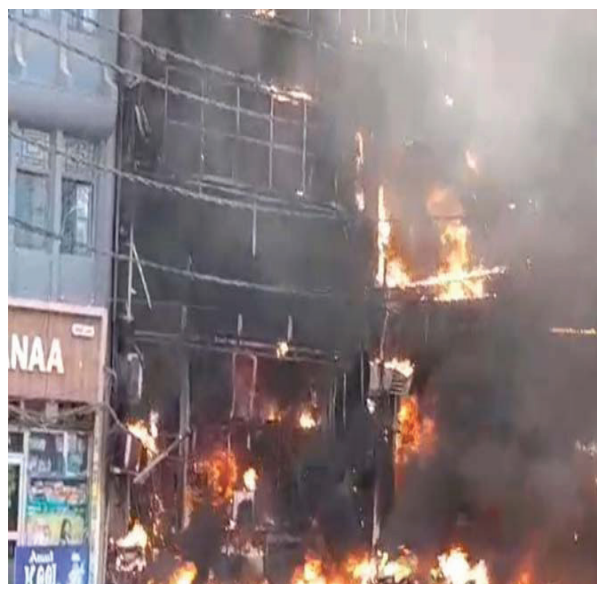

सूचना मिलते ही अग्निशमन दल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गई। आग की लपटों के बीच 45 लोगों को निकाला गया है, जिनमें से दो की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। वहीं, करीब 25 लोग झुलस कर घायल हो गए , जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है । इलाज के दौरान चार और लोगों ने दम तोड़ दिया। आग बुझाने के लिए दमकल की 08 गाड़ियां और 50 कर्मियों को लगाया गया और करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया ।

लोन वरार्टू अभियान से प्रभावित 18 नक्सलियों ने किया सरेंडर

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा क्षेत्र में अलग-अलग इलाकों में सक्रिय 18 नक्सलियों ने ह्यलोन वरार्टू अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक के समक्ष आत्मसमर्पण किया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकुमार बर्मन ने बताया कि ये सभी भैरमगढ़ और मलांगेर एरिया कमेटी में सक्रिय थे। उन्होंने बताया कि गांव-गांव में पुलिस नक्सलियों से समाज की मुख्य धारा से जुड़ने की अपील कर रही है। पुलिस की अपील का माओवादियों पर व्यापक असर हो रहा है। हिंसा की राह छोड़कर लोकतंत्र और संविधान में विश्वास जताते हुए ह्यलोन वरार्टू अभियान से प्रभावित होकर बुधवार को 18 माओवादियों ने आत्मसमर्पण कर दिया।उन्होंने बताया कि ये सभी माओवादी नक्सली बंद के दौरान सड़क खोदना, पेड़ काटना और

नक्सली बैनर पोस्टर लगाने की घटनाओं में शामिल थे। लोन वरार्टू अभियान के तहत अब तक 177 इनामी माओवादी समेत कुल 738 माओवादी आत्मसमर्पण कर चुके हैं और समाज की मुख्य धारा से जुड़ रहे है। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में नक्सलियों को मुख्य धारा में लाने के लिए प्रशासन द्वारा शुरू किया गया लोन वरार्टू यानी घर वापसी अभियान है. जिसके तहत आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को उनका मनचाहा रोजगार दिया जाएगा।

पटना में JDU नेता की गोली मारकर हत्या

पटना। बिहार की राजधानी पटना में बुधवार की रात जनता दल यूनाइटेड (खउब) के नेता सौरव कुमार की गोली मारकर हत्या कर दी गई जबकि उनका मित्र घायल हो गया । पुलिस सूत्रों ने गुरुवार को यहां बताया कि जदयू नेता सौरभ कुमार (33) अपने दोस्त मुनमुन के साथ पुनपुन थाना क्षेत्र के बढ़िया कॉल गांव में देर रात एक शादी के रिसेप्शन से लौटते समय गाड़ी में बैठ रहे थे तभी बाइक पर सवार चार बदमाशों ने करीब से गोलियां चलाईं। इस हमले में सौरभ और मुनमुन घायल हो गए। दोनों को तुरंत एक निजी अस्पताल में ले जाएगा, जहां चिकित्सकों ने जदयू नेता को मृत घोषित कर दिया गया। वहीं, मुनमुन की स्थिति गंभीर बताई जाती है। सूत्रों के अनुसार, सौरभ कुमार प्रॉपर्टी डीलिंग का भी काम करते थे। हत्या के कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका है।

महिलाओं को नौकरी में 50 फीसदी आरक्षण

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) राकांपा (शद) ने गुरुवार को अपना घोषणापत्र जारी किया, जिसमें उसने महिलाओं को नौकरी में 50 प्रतिशत तक आरक्षण देने का वादा किया है। घोषणा पत्र में जाति- जनगणना का भी समर्थन किया और किसानों के कल्याण, प्रशिक्षुता के अधिकार के लिए एक अलग आयोग बनाने का वादा किया गया है। शपथनामा शीर्षक से जारी घोषणापत्र में राकांपा (शप) ने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए), राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी), गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) और अन्य कानूनों में सांविधानिक सिद्धांतों के साथ बदलाव का प्रस्ताव देने का भी वादा किया है। वरिष्ठ नेता शरद पवार के नेतृत्व वाली पार्टी

ने कहा कि वह जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने का समर्थन करती है और ह्यएक राष्ट्र, एक चुनावह्न के विचार को खारिज करती है।घोषणा पत्र में कहा गया है कि पार्टी राज्य और स्थानीय सरकारों को सशक्त बनाने, बिजली आपूर्ति का निरीक्षण करने तथा संवैधानिक संशोधनों को लागू करने का भी वादा करती है। राकांपा (शप) के अध्यक्ष जयंत पाटिल ने कहा कि उनकी पार्टी आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा बढ़ाने के लिए संवैधानिक संशोधन की मांग करेगी और सरकारी क्षेत्रों में अनुबंध श्रम पर प्रतिबंध लगाएगी। कानूनी रूप से अनुबंध श्रमिकों के लाभों की रक्षा करेगी। उन्होंने कहा कि अगर पार्टी को केंद्र में आने का अवसर मिला, तो वह वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को ह्यमानवीय चेहराह्न देगी। उन्होंने कहा,ह्यएलपीजी सिलेंडर की कीमतें 500 रुपए पर रखी जाएंगी और यदि आवश्यक हुआ तो सरकार द्वारा सब्सिडी दी जाएगी। पेट्रोल, डीजल कर का पुनर्गठन किया जाएगा।

विदेशों में फंसे भारतीयों की जल्द होगी वापसी

नई दिल्ली। रूसी सेना में फंसे 10 भारतीय नागरिक स्वदेश लौट चुके हैं और बाकी लोगों की रिहाई के लिए भी रूस सरकार ने सहयोग का आश्वासन दिया है। इसी प्रकार से ईरान द्वारा बंधक बनाये गये वाणिज्यिक पोत पर तैनात चालक दल के सदस्यों में भारतीय सदस्यों की भी जल्द ही स्वदेश वापसी होने की संभावना है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज यहां नियमित ब्रीफिंग में यह जानकारी दी। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की रूस यात्रा एवं रूसी सेना में फंसे भारतीयों को सेवा मुक्त करके स्वदेश लाने से संबंधित एक सवाल के जवाब में जायसवाल ने कहा, ह्लहमारे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार सुरक्षा मामलों के लिए जिम्मेदार उच्च पदस्थ अधिकारियों की 12वीं अंतरराष्ट्रीय बैठक में भाग लेने के लिए सेंट पीटर्सबर्ग में हैं और उन्होंने इसके अलावा कई अन्य बैठकें कीं, जिसमें रूस में उनके समकक्ष निकोलाई पेत्रुशेव के साथ बैठक भी शामिल है। उन्होंने कई मुद्दों पर चर्चा की है जो द्विपक्षीय एजेंडे का हिस्सा हैं और उन्होंने ब्राजील के सेल्सो अमोरिम सहित कई अन्य बैठकें भी कीं हैं। प्रवक्ता ने कहा, ह्लजहां तक भारतीय नागरिकों के संबंध में सवाल है, हम इन मामलों को विभिन्न स्तरों पर बहुत सक्रियता से उठा रहे हैं, जिसमें रूस के विदेश मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय और वहां के कई अन्य संगठन शामिल हैं। और हम उन सभी भारतीयों को वापस स्वदेश लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो अब तक हमारे संपर्क में आए हैं और रिहा होना चाहते हैं। ऐसे 10 लोग भारत वापस आ गए हैं और वे घर लौट आए हैं। रूस की ओर से कहा गया है कि जो अन्य भारतीय वहां हैं, उन्हें भी रिहा कर दिया जाएगा और वे घर लौट आएंगे।

ईरान द्वारा जब्त किए गए जहाज एमएसवी आयरिश पर चालक दल के 16 भारतीय सदस्यों के बारे में पूछे जाने पर जायसवाल ने कहा, ह्लजहाज पर तैनात चालक दल के सदस्यों में शामिल एक लड़की वापस आ गई है। हमने इन 16 लोगों के लिए राजनयिक संपर्क दिये जाने की मांग की थी जो हमें मिली और हमारे अधिकारी उनसे मिले। उनका स्वास्थ्य अच्छा है और जहाज पर किसी भी प्रकार की कोई समस्या नहीं है। जहां तक उनकी रिहाई का प्रश्न है तो उसके लिए उनके रोजगार अनुबंध की कुछ शर्तों से संबंधित कुछ जटिलताएं हैं, उनके सुलझते ही वे वापस लौट आएंगें।-

न्याय पत्र में विरासत टैक्स का कोई जिक्र नहीं

नई दिल्ली। कांग्रेस ने घोषणा पत्र को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणी को उनकी बौखलाहट करार देते हुए आज कहा कि पीएम मोदी सत्यमेव जयते नहीं बल्कि असत्यमेव जयते पर विश्वास करते हैं और सिर्फ झूठ को ही प्रचारित करते हैं।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने गुरुवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पहले चरण का मतदान पूरा होने के बाद से पीएम मोदी बौखला गए हैं और उन्हें निश्चित हो गया है कि उनकी हार हो रही है इसलिए वह उल्टे-सुनते बयान दे रहे हैं।उन्होंने कहा हम ह्यसत्यमेव जयते पर विश्वास रखते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अ-सत्यमेव जयते पर विश्वास रखते हैं। कांग्रेस के ह्यन्याय पत्र में विरासत कर का कोई जिक्र नहीं हैं। यह हमारा एजेंडा नहीं है। हकीकत ये है कि 1985 में राजीव गांधी जी ने विरासत कर को हटाया था। उन्होंने कहा ह्लभाजपा के कई नेताओं ने साल 2014-19 के बीच में इसकी वकालत की थी और आज प्रधानमंत्री हम पर आरोप लगा रहे हैं और कहते हैं कि कांग्रेस के न्याय पत्र में धन पुनर्वितरण की बात हो रही है। मैं उनको चुनौती देता हूं, हमने न्याय पत्र में एक शब्द इस्तेमाल नहीं किया है, जो धन पुनर्वितरण की बात करता है। जयराम रमेश ने कहा देश में पहले चरण के चुनाव के रुझानों से साफ है कि भाजपा के प्रदर्शन में भारी गिरावट आने

वाली है। भाजपा कहीं हाफ और कहीं साफ होने वाली है जिसके चलते पीएम मोदी बौखलाए हैं। प्रधानमंत्री ने पहले हमारे ह्यन्याय पत्र को सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश की, फिर ऐसी बातें उठाई जिसका जिक्र हमारे न्याय पत्र में नहीं है। हमने ह्यभारत जोड़ो यात्रा तथा भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान जनता की आवाज सुनकर अपना न्याय पत्र तैयार किया है।

उन्होंने कहा ह्लपिछले 10 साल में पीएम मोदी की नीयत-नीति से देश में बेरोजगारी बढ़ी है, महंगाई पर कोई काबू नहीं है और समाज में आर्थिक विषमता भी बढ़ी है।हमारे पांच न्याय- युवा न्याय, नारी न्याय, किसान न्याय, श्रमिक न्याय, हिस्सेदारी न्याय- चुनाव की रणनीति तय करेंगे। इन पांच न्याय को लेकर हमने 25 गारंटियां भी दीं हैं, क्योंकि हम जनता के मुद्दों पर चुनाव लड़ना चाहते हैं।ह्व कांग्रेस नेता ने कहा ह्लकांग्रेस के ह्यन्याय पत्रह्न में ह्यविरासत करह्न का कोई जिक्र नहीं हैं। यह हमारा एजेंडा नहीं है। हकीकत ये है कि 1985 में राजीव गांधी जी ने विरासत कर को हटाया था।

भारतीय वायुसेना का टोही विमान दुर्घटनाग्रस्त

जैसलमेर। भारतीय वायुसेना का मानव रहित एक टोही विमान गुरुवार सुबह राजस्थान के जैसलमेर जिले में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। सुरक्षा से जुड़े आधिकारिक सूत्रों के अनुसार वायुसेना का यह टोही विमान जैसलमेर के वायु सैनिक हवाई अड्डे से सुबह अपनी नियमित अभ्यास पर उड़ान भरी थी और उड़ान के दौरान करीब 10.20 बजे सम्भवतः विमान में तकनीकी खराबी आ जाने से वह अनियंत्रित होकर जैसलमेर जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर पिथला क्षेत्र में भोजोनियों की ढाणी के पास धमाके के साथ सुनसान स्थान पर गिर गया। इसके बाद विमान में आग लग गई और वह

जलकर नष्ट हो गया। विमान के टुकड़े क्षेत्र में फैल गए। हादसे की जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन एवं वायु सेना के अधिकारी मौके पर पहुंचे। फायर ब्रिगेड एवं दूसरे चरण में शुक्रवार को होने वाले लोकसभा चुनाव में मतदान कराने के लिए क्षेत्र में पहुंचे मतदानकर्मियों ने स्थानीय ग्रामीणों के साथ टोही विमान के मलबे में लगी आग को बुझाने में मदद की।

संपादकीय

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला

हिन्दुत्व के ग्लोबल ब्रांड एम्बेसडर हैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्तमान में विश्व के सबसे लोकप्रिय राजनेता के रूप में ख्यातिलब्ध हो चुके हैं। भारतीय राजनीति से लेकर वैश्विक राजनीति में उनके विचारों एवं निर्णयों की झलक स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही हैद। यह सब इसलिए सम्भव हो पा रहा है क्योंकि वे भारत के श्स्वश के अधिष्ठान को अपना ध्येय बनाकर सतत् गतिमान हैं। भारत का यह श्स्वश– सनातन हिन्दुत्व के वे मानबिन्दु एवं चिरकालिक शाश्वत मूल्य बोध हैं जिन्हें उन्होंने प्रखरता के साथ अपनी कार्यशैली से प्रकट किया है। वर्ष 2014 में प्रथम बार सांसद एवं प्रधानमंत्री के रूप में निर्वाचित होते ही संसद प्रवेश के समय प्रवेश द्वार पर साष्टांग दंडवत प्रणाम से ही उन्होंने नए संकेत दे दिए थे। वे थे हिन्दू अस्मिता और हिन्दुत्व के प्रति अनन्य निष्ठा के भाव। आगे चलकर विश्व इतिहास में रेखांकित की जाने वाली तारीख 5 अगस्त 2020 को मोदी का एक नया रूप देखने को मिला। उन्होंने अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि में मंदिर निर्माण के भूमि–पूजन के साथ ही पुनश्च एक नया शंखनाद कियाद। जोकि आगे चलकर पौष शुक्ल द्वादशी तदनुसार 22 जनवरी 2024 को रामलला के नूतन विग्रह की प्राण–प्रतिष्ठा के साथ ही नूतन शक्ति संचार के रूप में दर्ज हो गया। इस अवसर के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्णरूपेण वैदिक विधान के साथ 11 दिवसीय कठोर व्रत का पालन करते हुए अपने तपस्वी साधक रुप का परिचय दिया था। उक्त अवसर पर उनके उद्बोधन का यह अंश उनके उसी भाव विचार को प्रकट करता है– "22 जनवरी, 2024, ये कैलेंडर पर लिखी एक तारीख नहीं। ये एक नए कालचक्र का उद्गम है। राम मंदिर के भूमिपूजन के बाद से प्रतिदिन पूरे देश में उमंग और उत्साह बढ़ता ही जा रहा था। निर्माण कार्य देख, देशवासियों में हर दिन एक नया विश्वास पैदा हो रहा था। आज हमें सदियों के उस धैर्य की धरोहर मिली है, आज हमें श्रीराम का मंदिर मिला है। गुलामी की मानसिकता को तोड़कर उठ खड़ा हो रहा राष्ट्र, अतीत के हर दंश से हौसला लेता हुआ राष्ट्र, ऐसे ही नव इतिहास का सृजन करता है। आज से हजार साल बाद भी लोग आज की इस तारीख की, आज के इस पल की चर्चा करेंगे। और ये कितनी बड़ी रामकृपा है कि हम इस पल को जी रहे हैं, इसे साक्षात घटित होते देख रहे हैं। आज दिन–दिशाएँ... दिग–दिगंत... सब दिव्यता से परिपूर्ण हैं। ये समय, सामान्य समय नहीं है। ये काल के चक्र पर सर्वकालिक स्याही से अंकित हो रहीं अमिट स्मृति रेखाएँ हैं।" साथ आगे अपने अखंड संकल्प को ब्यियक्त करते हुए कहते हैं– "हमें अपनी चेतना को देव से देश, राम से राष्ट्र– देवता से राष्ट्र तक विस्तारित करना है। यह भव्य मंदिर वैभवशाली भारत के उत्कर्ष और उदय का गवाह बनेगा। यह भारत का समय है और हम आगे बढ़ रहे हैं।" मोदी जिस ढंग से हिन्दुत्व के नायक के रूप में अपने कार्य वैशिष्ट्य के साथ गतिमान है। वह स्वर्णिम भारत के भविष्य की आधारशिला के रूप में इतिहास के सुनहरे पन्नों में दर्ज होता चला जा रहा। एक राजनेता जब साधक एवं तपस्वी के रूप में राष्ट्र जीवन को दिशा देता है तो निश्चय ही उसके सुफल पुण्यता का पथ प्रशस्त करने वाले होते हैं। प्रधानमंत्री मोदी जिस प्रकार से राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए एक श्रेष्ठ नेतृत्वकर्ता के रूप में जाने जाते हैं। ठीक उसी प्रकार से वे अपनी हिन्दुत्व के प्रति आदर–श्रद्धा–भक्ति एवं निष्ठा के लिए भी जाने जाते हैं। उन्होंने अपनी कार्यप्रणाली एवं विचार निष्ठा से एक भारतीय राजनीति में हिन्दुत्व की अपरिहार्यता की नई लकीर खींच दी है। इसी के कारण स्वतंत्रता के बाद से भारतीय राजनीति में शहिन्दू व हिन्दुत्व की अस्मिता के विरुद्ध रोपी गई सेकुलरिज्म की विषबेल समाप्ति की ओर है। नरेन्द्र मोदी ने अपनी वेशभूषा, खान–पान एवं कार्य–व्यवहार में जिस ढंग से हिन्दुत्व के मूल्यों को आत्मसात करते हुए सार्वजनिक रूप से प्रकट किया है। उसका लोहा समूचा विश्व मानने लगा हैद। वर्षों तक हिन्दुत्व के प्रति दुराग्रह एवं घृणा का जो षड्यंत्र सत्तालोलुपों ने तुष्टिकरण के चलते रचा। उसे नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री की कुर्सी पर आते ही क्रमशः ध्वस्त कर दिया। प्रधानमंत्री अपने निजी जीवन से लेकर सार्वजनिक जीवन में हिन्दू परम्पराओं के अनुसार आचरण करते हुए निरंतर दिखते हैं। वे शक्ति के उपासना पर्व नवरात्रि में निराहार व्रत रहते हैंद। माथे पर चंदन, रुद्राक्ष की माला, भगवा वस्त्र और पूजन अर्चन के समस्त विधि विधानों का निरू संकोच पालन करते हैंद। अपनी आस्था के प्रति इस प्रकार की निष्ठा ने उन कई सारी भ्रान्तियों को भी तोड़ा है जो इन परम्पराओं पर लगातार कुठाराघात करते थे। आज विदेशी राजनेता और राजनयिक हमारी सम्बोधन पध्दति के शब्द श्नमस्तेश को बड़े ही आदर के साथ अपनाते हैं और उसका प्रयोग करते हैंद। प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों के चलते ही 21 जून 2015 को श्अन्तरराष्ट्रीय योग दिवसश के रूप में मान्यता मिली। साथ ही यह प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की ही छाप है किकृ आज विश्व के विभिन्न देशों में भारतीय दर्शन एवं ज्ञान परम्पराओं जुड़े हुए धर्मग्रंथों– वेद, उपनिषद, श्रीमद्भगवद्गीता, रामायण एवं महाभारत के मूल्यों पर खुलकर चर्चा की जा रही है। उन्हें अपनाने पर जोर दिया जा रहा है। वर्ष 2015 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यूएई की यात्रा के दौरान ही वहां की सरकार ने राजधानी आबू धाबी में मंदिर निर्माण की स्वीकृति एवं जमीन देने की घोषणा की थी। यूएई के उसी पहले हिन्दू मंदिर का विधिवत उद्घाटन प्रधानमंत्री मोदी ने 14 फरवरी 2024 को किया। यह अपने आप में ऐतिहासिक एवं अनुपमेय था। इसी प्रकार भारत को जी 20 की अध्यक्षता मिलने के पश्चात भारतीय संस्कृति से जुड़े हुए विविध पहलुओं से जी 20 देश परिचित हुए। इसके अतिरिक्त नई दिल्ली में सम्पन्न हुए जी 20 शिखर सम्मेलन 2023 से भी मोदी की उसी दूरदर्शिता की झलक दिखाई दी। चाहे बात 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की थीम की हो याकि बात भारत मंडपम् के बाहर लगी हुई श्नटराजश की 27 फीट ऊंची प्रतिमा हो। ।ए एआई वाली श्रीमद्भगवद्गीता के माध्यम से जीवन से जुड़े हुए प्रश्नों को गीता के श्लोकों के द्वारा उत्तर देने का नवाचार हो। इसके साथ ही 13 वीं सदी में बने कोणार्क के सूर्य मंदिर को दर्शाना हो। याकि विश्व को ज्ञान कोष से समृद्ध करने वाले नालंदा विश्वविद्यालय के ध्वंसावशेषों की स्मृतियों को विश्व समुदाय के ध्यान में लाना हो। श्वॉल ऑफ डेमोक्रेसीश के द्वारा भारत की सनातनी लोकतान्त्रिक प्रणाली एवं आदर्शों से भी साक्षात्कार करवाया। जब वे संयुक्त राष्ट्र संघ के मंच से भारत को श्मदर ऑफ डेमोक्रेसीश अर्थात् लोकतन्त्र की जननी के रूप में विभिन्न उदाहरण देते हुए परिभाषित करते हैं तो इससे एक अमिट चिन्ह बनते हैं। वर्तमान में विश्व समुदाय भारत व भारतीय संस्कृति अर्थात् हिन्दू संस्कृति–हिन्दुत्व के प्रति बड़ी ही आशा भरी दृष्टि से देख रहा है। आज विश्व भारत के बारे में पूर्व की कूटरचित दुराग्रही धारणाओं से मुक्त होकर– नए ढंग से मूल भारत को देखने–जानने–समझने और आत्मसात करने की ओर अग्रसर हुआ है। इसमें निश्चय ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हिन्दुत्व के ग्लोबल ब्राण्ड एम्बेसडर के रूप में माननीय भूमिका है।

मछुआरों, महिलाओं और स्थानीय संस्कृति का सहारा

अपने दम पर बहुमत के साथ लगातार दो बार से केंद्रीय सत्ता को संभाल रही भारतीय जनता पार्टी के लिए तमिलनाडु और केरल अब तक प्रश्न प्रदेश रहे हैं। इस लिस्ट में 25 सीटों वाले आंध्र प्रदेश को भी शामिल किया जा सकता है। 'अबकी बार चार सौ पार' के नारे में दक्षिण का अभेद्य बना किला फतह करने की कोशिश भी शामिल है। पार्टी को पता है कि जब तक वह अभेद्य समझे जाने वाले दक्षिण के दुर्ग में जोरदार सेंध नहीं लगाएगी, उसका यह नारा जमीनी हकीकत के नजदीक नहीं पहुंच पाएगा। यही वजह है कि पार्टी का शिखर नेतृत्व लगातार तमिलनाडु पर अपना ध्यान फोकस किए हुए है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की दक्षिण भारत की लगातार जारी चुनावी और सामान्य यात्राएं इन्हीं कोशिशों का उदाहरण है। तमिलनाडु में चुनाव बीत चुके हैं। राज्य के चुनाव नतीजों को लेकर अटकलबाजी और दावे–प्रतिदावों का दौर जारी है। तमिलनाडु में मौजूदा सत्ताधारी डीएमके का मोर्चा बढ़त की उम्मीदे पाले हुए है तो बीजेपी इस बार बड़ी सेंध लगाने का दावा कर रही है। बीजेपी के दावे की वजह है, प्रधानमंत्री की सभाओं में उमड़ती रही भीड़। जिसे बढ़ाने में अमित शाह अपनी ओर से जोर देते रहे। लोकसभा सीटों के लिहाज से दक्षिण भारत के सबसे बडे राज्य तमिलनाडु में 2019 के आम चुनावों में भी अमित शाह ने पूरा जोर लगाया था। फिर भी पार्टी को 2014 के साढ़े पांच प्रतिशत के मुकाबले महज 3.6 फीसद वोट से ही संतोष करना पड़ा था। राज्य में इस बार चुनाव हो चुका है। जिस तरह मोदी और शाह की जोड़ी ने इस बार राज्य में जोर लगाया, इसकी वजह से इस बार पार्टी की उम्मीदें बढ़ी हुई हैं। इसकी वजह है पार्टी की अरसा पहले से जारी तैयारी और तमिलनाडु में तेज–तर्रार और युवा अन्नामलाई के हाथ में पार्टी की कमान। अन्नामलाई की सभाओं में उमड़ती रही भीड़ पार्टी की उम्मीदों को परवान चढ़ाने में मददगार बनती रही। अन्नामलाई ने सात महीने तक 'एन मन, एन मक्कल' नाम से राज्यव्यापी यात्रा की, जिसमें खूब भीड़ जुटी। इस यात्रा की बीजेपी हलके में महत्ता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसका समापन खुद प्रधानमंत्री मोदी ने किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अन्नामलाई का नाम अपनी सभाओं में खूब लेते हैं। अन्नामलाई को उस कोयंबटूर सीट से मैदान में उतारा गया है, जिस पर 1998 और 1999 में पार्टी का कब्जा रहा। उस वक्त इस सीट की नुमाइंदगी करने वाले सीपी राधाकृष्णन इन दिनों झारखंड के राज्यपाल हैं। उनके जिम्मे तेलंगाना के राज्यपाल और पुदुचेरी के उपराज्यपाल का चार्ज भी है। जब सीपी राधाकृष्णन कोयंबटूर से सांसद चुने गए थे, तब वे 41 साल के युवा थे। यह संयोग है कि कुछ और कि अन्नामलाई इन दिनों चालीस की उम्र पूरी करने वाले हैं। यानी अगर कोयंबटूर से वे जीतते हैं तो वे भी सीपी राधाकृष्णन की तरह युवा ही होंगे। भारतीय जनता पार्टी की शिखर यात्रा की ओर जब हम देखते हैं तो पता चलता है कि उसने जिस राज्य में भी पैर जमाया, वहां वह पहले छोटे भाई की भूमिका में रही। बाद में वह अपना प्रभाव बढ़ाते हुए बड़े भाई की भूमिका में आ जाती है और मौका मिलते ही शिखर पर पहुंच जाती है। दो चुनाव पहले तक बीजेपी हरियाणा और पश्चिम बंगाल में इंडियन नेशनल लोकदल और तृणमूल कांग्रेस के छोटे भाई की भूमिका में रही। बाद में उसने प्रभाव बढ़ाया। अब हालत यह है कि हरियाणा में इंडियन नेशनल लोकदल अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रही है तो तृणमूल कांग्रेस उसकी चुनौती से पार पाने का उपाय खोज रही है। कुछ ऐसी ही स्थिति महाराष्ट्र में रही। पहले वह शिवसेना की बी टीम की तरह काम करती रही और पिछले कुछ चुनावों से वह पहले नंबर पर आ गई है। पंजाब में इसी तरह वह 1997 से लगातार शिरोमणि अकाली दल की बी टीम रही और इस बार उसने खुद को अकेले मैदार में उतार दिया है। कुछ इसी अंदाज में पार्टी तमिलनाडु में भी 1998 में डीएमके के साथ रही तो 1999 में एडीआईएमके की जूनियर पार्टनर बनी। 2014 तक वह अन्ना द्रमुक के साथ रही, लेकिन अब वह तकरीबन अकेले दम पर आगे आ रही है। हाल के दिनों में पार्टी तार्किक रणनीति के साथ मैदान में उतरती रही है। उसके वायदों और शासन के तरीके पर सवाल जरूर उठ सकते हैं, लेकिन रणनीतिक कदम के लिए उसकी प्रशंसा करनी होगी। प्रश्न प्रदेश बने तमिलनाडु को हल करने के लिए पार्टी ने अरसा पहले काम शुरू कर दिया था। केंद्रीय सत्ता संभालने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने एक कार्यक्रम शुरू कराया, एक भारत, श्रेष्ठ भारत। इसके जरिए राज्यों को उनके पारंपरिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक रिश्तों के साथ जोड़ना शुरू किया। इसके तहत तमिलनाडु का काशी से संगम शुरू हुआ। काशी भगवान भोलेनाथ की नगरी है और तमिलनाडु में शैव परंपरा को मानने वालों की अच्छी–खासी संख्या है। महाशिवरात्रि के वक्त काशी में तमिलनाडु, आंध्र और कर्नाटक के यात्रियों की बाढ़ रहती है। काशी और तमिलनाडु के करीबी रिश्तों के जरिए प्रधानमंत्री मोदी ने तमिल दिलों में उतरने की कोशिश साल 2022 में तेज की। काशी–तमिल संगमन इसकी अगली कड़ी के रूप में सामने आया। इसके बाद प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु में विकास योजनाओं की तेजी लाने की कोशिश की। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार द्वारा शुरू की गई स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना को पूरा करने का आश्वासन के साथ ही मछुआरों के कल्याण पर काम तेज हुए। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु में रोड शो किए। तमिलनाडु ऐसा राज्य है, जहां की 87 फीसद आबादी हिंदू है। इसके बावजूद राज्य के मुख्यमंत्री स्टालिन के बेटे और राज्य सरकार में मंत्री उदयनिधि मारन ने सनातन धर्म पर हमला बोला। भारतीय जनता पार्टी को इस बयान ने मौका दे दिया। जिसके खिलाफ ना सिर्फ प्रधानमंत्री मुखर हुए, बल्कि अमित शाह ने भी हमला बोला। तमिलनाडु के लोग एक बात पर खूब जोर देते हैं कि उनके यहां धार्मिक कार्ड नहीं चलता। इसीलिए बीजेपी का हिंदुत्व का मुद्दा भी नहीं चलेगा। लेकिन प्रधानमंत्री के रोड शो में उमड़ी भीड़ हो या अमित शाह के कार्यक्रमों में जुटती भीड़, इस धारणा को कमजोर कर रही है। भारतीय जनता पार्टी की मौजूदा हिंदुत्ववादी राजनीति को दो दशक पहले तक उत्तर भारत में इतना तवज्जो नहीं मिलता था कि वह केंद्रीय सत्ता की अपने दम पर दावेदारी कर सके। लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। कुछ इसी अंदाज में पार्टी तमिलनाडु में भी जोर लगाती रही । पार्टी तमिल सांस्कृतिक परंपराओं मसलन जलीकट्टू की बहाली का जहां समर्थन कर रही है, वहीं वह तमिल मार्का सनातन की प्रतिष्ठा पर भी जोर दे रही है। पार्टी ने पीएमके और टीएमसी(एस) जैसी कुछ छोटी पार्टियों के साथ जातीय गणित भी साधने की कोशिश की है। इन कोशिशों से उपजी आस ही है कि पार्टी इस बार राज्य की 23 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जबकि बाकी 16 सीटें अपने सहयोगियों के लिए छोड़ दी है। बीजेपी की कोशिशों के बावजूद हाल ही में आई एक सर्वे रिपोर्ट ने पार्टी को एक भी सीट नहीं दिया। हालांकि सर्वे करने वाली एजेंसी भी मान रही है कि राज्य में बीजेपी का वोट बैंक बढ़ने जा रहा है। वैसे याद किया जाना चाहिए कि मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में सर्वे एजेंसियों ने बीजेपी की जीत की उम्मीद नहीं के बराबर जताई थी। लेकिन जब नतीजे आए तो सर्वे एजेंसियों के नतीजों के उलट थे। भारतीय जनता पार्टी ठीक उसी अंदाज में तमिलनाडु से भी उम्मीद लगाए हुए है। दक्षिण भारत में लोकसभा की 132 सीटें हैं, जिनमें सिर्फ 29 सीटें ही बीजेपी के पास हैं। उनमें से सबसे ज्यादा 25 सीटें कर्नाटक की हैं, जबकि चार तेलंगाना की। पार्टी इस बार भी कर्नाटक में बेहतर करते नजर आ रही है। तेलंगाना में भी वह मुकाबले में है। इसके बाद उसका सारा ध्यान तमिलनाडु पर ही है। इसलिए वह मछुआरों, महिलाओं और युवाओं पर जहां उम्मीद लगाए बैठी है, वहीं पार्टी को एआईडीएमके की कमजोरी से विपक्षी खेमे में उपजे शून्य को भरने की भी आस है। पार्टी को कितनी सफलता मिलती है, यह तो चार जून को पता चलेगा। लेकिन इतना तय है कि तमिलनाडु की राजनीति में बड़े भाई की भूमिका की ओर भारतीय जनता पार्टी ने कदम बढ़ा दिया है।

सूरत बता रहा गुजरात के राजनैतिक मॉडल का सूरत-ए-हाल

एक ओर तो तमाम सर्वे बतला रहे हैं कि भारतीय जनता पार्टी ने खुद के बल पर 370 और अपने गठबन्धन नेशनल डेमोक्रेटिक एलाएंस (एनडीए) के साथ 400 सीटें जीतने का जो लक्ष्य रखा है वह हासिल करने योग्य बिलकुल नहीं है, वहीं दूसरी तरफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत भाजपा के सारे नेता और स्टार प्रचारक जिस प्रकार से कांग्रेस व इंडिया गठबन्धन पर हमलावर हैं– वह भी कमर के नीचे वार करते हुए– उससे भी साफ है कि स्वयं भाजपा जान चुकी है कि यह लक्ष्य पाना नामुमकिन है, लेकिन गुजरात के सूरत में जो हुआ है अगर भाजपा उसी तरीके से चुनाव लड़ने जा रही है तो कहा जा सकता है कि वह 400 तो क्या 4000 सीटें भी पा सकती है, जैसा कि जुबान फिसलने के कारण जनता दल यूनाइटेड के अध्यक्ष व बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार मोदी की मौजूदगी में ही एक सभा में बोल पड़े थे। वैसे सूरत लोकसभा सीट पर जो सियासी तमाशा हुआ है वह देश के संसदीय इतिहास का अभूतपूर्व मामला है। यह इस बात का भी संकेत है कि भारत की राजनीति किस ओर जा रही है और आने वाले दिनों में देश का सूरत–ए–हाल क्या होगा। चेतावनी की घंटी इसी को कहते हैं। इस घटना से यह पता चलता है कि भाजपा 400 पार जाने के लिये कितनी उतावली है और उससे यह भी समझा जा सकता है कि उसे रोका जाना क्यों आवश्यक है। सूरत लोकसभा सीट पर 7 मई को मतदान होना था, परन्तु भाजपा उम्मीदवार मुकेश दलाल को इसके बहुत पहले सोमवार को निर्वाचित होने का सर्टिफिकेट दे दिया गया। कारण है उनका निर्विरोध निर्वाचन। कहने को तो उनके खिलाफ कांग्रेस के निलेश कुंभानी, बहुजन समाज पार्टी के प्यारेलाल भारती आदि समेत 11 लोग चुनावी मैदान में थे। इनमें से कुछ स्थानीय छोटे दलों से थे तो कुछ निर्दलीय प्रत्याशी थे। यहां तक कि कांग्रेस ने वैकल्पिक उम्मीदवार सुरेश पडसाला को भी खड़ा किया था, पर दोनों के नामांकन खारिज कर दिये गये और 8 उम्मीदवारों ने एक के बाद एक निर्वाचन अधिकारी से यह कहकर अपने नामांकन वापस ले लिये कि उनके नामांकन प्रपत्रों पर जो हस्ताक्षर हैं, वे उनके नहीं हैं। अब ये सारे प्रत्याशी लापता हैं। सोमवार ही नामांकन वापसी की अंतिम तारीख थी। इस सियासी किस्से में कई लोचे हैं। सवाल तो यह है कि जब नामांकन पत्र पर निर्वाचन अधिकारी यानी डीएम के ही समक्ष दस्तखत होते हैं और प्रस्तावकों की भी भौतिक उपस्थिति में दस्तखत करने होते हैं तो उनके नकली होने का सवाल ही कहां पैदा होता है। आनन–फानन में सर्टिफिकेट देने का मतलब है कि मामले की फाइल अब बन्द हो गई है। जिसे जाना है वह कोर्ट जाये। मजेदार बात तो यह है कि कुंभानी के प्रस्तावकों के हस्ताक्षर फर्जी होने का भी आरोप भाजपा उम्मीदवार की ओर से लगाया गया था। इन प्रस्तावकों में कुंभानी के बहनोई, भतीजा एवं कारोबारी पार्टनर शामिल थे। वैसे यह भी कहा जा रहा है कि रिश्तेदारों को प्रस्तावक इसीलिये बनाया गया था ताकि परचा ही खारिज हो जाये। कुंभानी द्वारा भाजपा से हाथ मिला लिये जाने की भी बात कही जा रही है और यह भी बताया जा रहा है कि इसकी योजना सूरत के एक बड़े होटल में बनाई गई। गुजरात विकास के मॉडल की बात तो काफी पहले से सुनते आये हैं लेकिन श्राजनीति का गुजरात मॉडलश भी लोगों के सामने आ गया है जो सबकी आंखें खोलने के लिये पर्याप्त होना चाहिये। मुकेश दलाल ने अपने पहले संदेश में कहा है– श्पहला कमल नरेन्द्र मोदी के चरणों में समर्पित है। मोदी के 400 के लक्ष्य को पाने के लिये मेरी जीत पहला कदम है। वे यह भी कहते हैं कि कांग्रेस के नामांकन पत्र रद्द हुए और शेष उम्मीदवारों ने मोदी के विकसित भारत की कल्पना को साथ देने के लिये अपने नामांकन वापस लिये हैं। बस, इतनी सी बात है! वैसे गुजरात के राजनैतिक मॉडल की बानगी कुछ दिनों पहले चंडीगढ़ मेयर के चुनाव में देखने को मिल गई थी जहां कांग्रेस तथा आम आदमी पार्टी का गठबन्धन था। यहां उनके संयुक्त प्रत्याशी का जीतना तय था लेकिन रिटर्निंग ऑफिसर अनिल मसीह ने 8 कांग्रेस प्रत्याशियों के वोट खुद ही खराब कर खारिज करा दिये। मामला सुप्रीम कोर्ट तक गया जहां अदालत ने इसे श्लोकतंत्र की हत्याश कहते हुए दोषी अधिकारी को सजा देने की जरूरत बतलाई। शीर्ष न्यायालय के आदेश पर भाजपा उम्मीदवार मनोज सोनकर के निर्वाचन को अवैध घोषित करते हुए आप के कुलदीप कुमार को मेयर घोषित किया गया। यह भी भारत में पहली बार होता देखा गया है कि मेयर की घोषणा देश के सबसे बड़े न्यायालय की ओर से की गई। हालांकि मसीह को अब तक सजा नहीं सुनाई गई है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अवधारणा के अनुरूप भाजपा ने सामाजिक व आर्थिक ताकतों पर पूरा एकाधिकार करने का जो कार्यक्रम बनाया है, उसके तहत राजनैतिक शक्ति को पूरी तरह से अपनी मुठ्ठी में लेना उसके लिये परम आवश्यक है। इसलिये भाजपा हर चुनाव को येन केन प्रकारेण जीतने पर आमादा है। फिर वह चाहे ढाई दर्जन सीटों वाली चंडीगढ़ महानगरपालिका हो या सूरत की लोकसभा सीटय और उसके लिये वह न तो किसी कानून की किताब के पन्नों को यह देखने के लिये पलटेगी कि क्या सही है और क्या गलत, न ही वह नैतिकता के मानदंडों पर अपने किसी भी कृत्य को कसने की चिंता करेगी। खुद मोदी के चुनावी मंचों से दिये गये हालिया बयानों को देखें तो एकदम साफ है कि अब जहां एक ओर वे असत्य पर असत्य बोल जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर वे साम्प्रदायिकता को बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं ताकि ध्रुवीकरण के जरिये वे अधिक से अधिक सीटें जीत सकें। कांग्रेस के घोषणापत्र को, जिसे पार्टी ने श्न्यायपत्रश कहा है, पहले तो उन्होंने श्मुस्लिम लीग से प्रभावित बतलाया।

नरेंद्र मोदी का मुसलमानों पर द्वेषपूर्ण हमला आदर्श आचार संहिता का खुला उल्लंघन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को राजस्थान की चुनावी रैली में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के 2006 के एक बयान को गलत तरीके से उद्धृत करते हुए देश के सबसे बड़े अल्पसंख्यक समुदाय मुसलमानों पर जो तीखा हमला बोला, उसने चुनाव आयोग की आदर्श आचार संहिता की सारी हदें पार कर दीं। प्रधानमंत्री के कद के व्यक्ति द्वारा एक महत्वपूर्ण मुद्दे की अभद्र और गलत प्रस्तुति पर चुनाव आयोग द्वारा प्रधानमंत्री को कुछ दिनों के लिए चुनाव अभियान से रोकने के संदर्भ में तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है।अभी हाल ही में चुनाव आयोग ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला को भाजपा उम्मीदवार पूर्व फिल्म अभिनेत्री हेमामालिनी के खिलाफ द्वेषपूर्ण अनुचित टिप्पणियों के कारण 48 घंटे के लिए प्रचार करने से रोक दिया था। चुनाव आयोग का कांग्रेस नेता के खिलाफ कार्रवाई करना उचित है। लेकिन प्रधानमंत्री, जो भारत के 142 करोड़ लोगों के संरक्षक हैं और सभी धार्मिक समूहों की पूरी आबादी की ओर से इस देश का प्रशासन करते हैं ने रविवार की रैली में कहा कि पिछली कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार ने कहा था कि देश की सम्पत्ति पर मुसलमानों की पहली प्राथमिकता है। कांग्रेस सत्ता में आने पर घुसपैठियों और अधिक बच्चे पैदा करने वालों को संपत्ति बांट देगी। उनके इस लक्षित समूह की ओर इशारा स्पष्ट था। भारतीय प्रधानमंत्री को चुनावी रैली में कांग्रेस के घोषणापत्र की आलोचना करने का पूरा अधिकार है। पार्टी की बैठकों में कांग्रेस पार्टी और अन्य विपक्षी नेताओं पर दोष मढ़ने से किसी को कोई आपत्ति नहीं होगी। लेकिन रविवार को उन्होंने जो किया वह अभूतपूर्व था। मुस्लिम समुदाय को चिह्नित करना और बहुसंख्यक समुदाय के बीच यह डर पैदा करना कि कांग्रेस के नेतृत्व वाला इंडिया गुट श्घुसपैठियोंश के बीच सोना, चांदी सहित संपत्ति का पुनर्वितरण करेगा, उनकी कट्टरता की पराकाष्ठा थी जो निश्चित रूप से पहले चरण के चुनावों में अच्छा प्रदर्शन न कर पाने के बाद उनकी घबड़ाहट वाली प्रतिक्रिया का प्रतिबिंब थी। उन्होंने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए विपक्षी पार्टी के घोषणापत्र की ओर इशारा किया। कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में जो कहा है वह गंभीर है। उसने कहा है कि अगर कांग्रेस सरकार बनाती है, तो सभी की संपत्ति का सर्वेक्षण किया जायेगा, वह माताओं और बहनों के सोने का हिसाब लगायेगी और फिर उसका वितरण करेगी। वे आपका मंगलसूत्र भी नहीं छोड़ेंगे, उन्होंने कहा यह जोड़ते हुए कि कांग्रेस अब शहरी नक्सलियों की चपेट में है।

राशिफल

मेष :– रोजगार क्षेत्र में आपकी महत्वपूर्ण योजनाएं सार्थक होती हुई नजर आएंगी। श्रेष्ठजनों से नजदीकियां पैदा होंगी। व्यावसायिक यात्राएं करनी पड़ सकती हैं। कुछ प्रबल इच्छाएं आपको उद्वेलित करेंगी।

बृषभ :– भौतिक महत्वकांक्षाएं अभाव का एहसास कराएंगी। परिजनों से कुछ भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी हो सकती हैं। अच्छी योजनाओ द्वारा महत्वपूर्ण कायरें को समयानुकूल पूर्ण करेंगे।

मिथुन :– भावनाओं पर नियंतण्ररख अपने दायित्वों के प्रति सजग होना प्रगति का सूचक है। बचकाना स्वभाव महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एकाग्रता का अभाव पैदा करेगा। शिक्षा–प्रतियोगिता में परिश्रम का लाभ मिलेगा।

कर्क :– महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां अपनी पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगी। कुछ नयी आकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी। भौतिक–सुख साधन में व्यय संभव। परिजनों से किसी प्रकार की शिकायत पर खुलकर बात करें।

सिंह :– किसी श्रेष्ठजन के प्यार से मन प्रसन्न होगा। किसी की कटु वाणी मन को दुखित कर सकती है। उच्च महत्वकांक्षाएं व्यावसायिक क्षेत्र में अधिक परिश्रम के लिए प्रेरित करेंगी। आलस्य कतई न करें।

कन्या :– नये संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। पारिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा। जीविका क्षेत्र में मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु प्रयत्नशील होगा। रोजगार में व्यस्तता रहेगी किंतु जरूरी कार्य समय से पूर्ण करें।

तुला :– कुछ नयी अभिलाषाएं आपको उत्साहित करेंगी। शासन–सत्ता की दिशा में केंद्रित लोगों को लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। किसी महत्वपूर्ण दायित्व की पूर्ति हेतु समुचित व्यवस्था हेतु मन चिंतित होगा।

वृश्चिक :– किसी पुराने संबंध के प्रति विशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। क्षमता से अधिक जिम्मेदारियां अर्थिक सुदृढ़ता हेतु प्रेरित करेंगी। भावनाप्रधान मन रिश्तों से सहज ही प्रभावित हो जाता है।

धनु :– भावना से उद्वेलित मन निकट संबंधों के सुख–दुख के प्रति चिंतित होगा। पूर्वाग्रहवश संबंधियों के प्रति नकारात्मकता को न पालें। भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन में नकारात्नक विचार ला सकती हैं।

मकर :– सामाजिक गतिविधियों में आपकी क्रियाशीलता बढ़ेगी। अच्छी भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल रहेगा।

कुंभ :– पुरानी समस्याओं को हल कर सुख की अनुभूति करेंगे। शासन–सत्ता से जुड़े लोगों को लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। पूजा–पाठ में पूरा दिन मन केंद्रित होगा। नये दायित्वों की पूर्ति होगी।

मीन :– पिता के सहयोग से मुश्किल दिनों में राहत मिलेगी। बालसुलभता व असंयमित शब्दों का प्रयोग संबंधों में कटुता लाएगा। आकस्मिक नई आशंकाओं से प्रभावित मन कोई गलत निर्णय ले सकता है।

सलमान का पोस्टर फाड़कर राहुल का पोस्टर लगा दिया था करीना ने

कुछ सालों पहले बालीवुड के दबंग भाईजान यानि सलमान खान ने अपने शो में एक मजेदार किस्सा सुनाया कि कैसे करीना कपूर ने अपने बाथरूम में लगे उनके पोस्टर को फाड़कर राहुल रॉय का पोस्टर लगा दिया था। दरअसल, सलमान खान के शो 'दस का दम' में करीना कपूर और करिश्मा कपूर पहुंची थीं। उस वक्त एक्टर ने कहा कि करीना कपूर ने मेरे साथ गद्दारी की है। सलमान खान ने शो में बताया, 'मैं आपको इनकी (करीना कपूर) की गद्दारी का एक किस्सा सुनाता हूं। जब मैंने प्यार किया रिलीज हुई थी और फिर मैं इनके (करिश्मा कपूर) साथ फिल्म कर रहा था जो बड़ी फ्लॉप है। तो उन्होंने मुझे बताया कि मेरी छोटी बहन बेबो के बाथरूम में एक बड़ा सा पोस्टर है मेरा। तो मैं बड़ा खुश हो गया।'सलमान खान ने आगे कहा, 'उसके २ या फिर तीन महीने बाद एक और पिक्चर रिलीज हुई आशिकी। मेरा पोस्टर उतारा नहीं गया, फाड़ा गया और राहुल रॉय का पोस्टर लगाया गया और करीना आकर मुझे बता भी देती हैं कि अब आपका पोस्टर वहां नहीं है। अब वहां राहुल रॉय का पोस्टर है।' इसके जवाब में करीना कपूर ने कहा, 'लेकिन कम से कम मैं ईमानदार हूं।' मालूम हो कि सलमान खान और करीना कपूर 'बॉडीगार्ड', 'बजरंगी भाईजान', 'मैं और मिसेज खन्ना' जैसी फिल्मों में काम कर चुके हैं।वर्क फ्रंट की बात करें तो सलमान खान साउथ सिनेमा के मशहूर डायरेक्टर एआर मुरुगदास के साथ काम कर रहे हैं । इसके अलावा सलमान खान के पास विष्णुवर्धन की फिल्म 'द बुल' भी है। वह 'टाइगर वर्सेस पठान' में भी नजर आएंगे। वहीं, करीना कपूर की फिल्म 'क्रू' बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा रही है। ये मूवी दुनियाभर में १०० करोड़ से ज्यादा बिजनेस कर चुकी है। बता दें कि बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान की करीना कपूर और करिश्मा कपूर के साथ अच्छी बॉन्डिंग है। दोनों के साथ सलमान ने कई फिल्मों में काम किया है, जो बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुईं। सलमान खान के साथ काम करने से पहले करीना कपूर उनकी फैन हुआ करती थीं।

दिया करारा जवाब

बॉलीवुड में बोल्ड सीन देने के कारण कई अभिनेत्रियां विवादों में भले ही फंस चुकी हों, लेकिन राधिका आप्टे ने न सिर्फ न्यूड सीन दिए, बल्कि उन्होंने उन्हें ट्रोल करनेवालों को करारा जवाब भी दिया। २०१६ में आई फिल्म 'पार्च्ड' में राधिका आप्टे ने फुल न्यूड सीन दिए थे, जिस पर काफी विवाद हुआ था। सिर्फ राधिका का सीन ही नहीं, बल्कि पूरी फिल्म विवादों में घिर गई थी। हालांकि, फिल्म को काफी सराहना भी मिली थी। जब फिल्म पर सवाल उठाए गए तो राधिका ने अपना जवाब देते हुए कहा कि वह एक खुले विचारों वाली महिला हैं और गलती उनके किरदार या फिल्म में नहीं, बल्कि लोगों की मानसिकता में है। राधिका ने कहा, 'मुझे समझ नहीं आता कि मुझे अपने शरीर पर शर्म क्यों आनी चाहिए।' मैं एक कलाकार के रूप में अपने शरीर का उपयोग करती हूं। मैं अपना काम करती हूं और फिल्म की रिलीज का इंतजार करती हूं।' राधिका ने कहा कि जो लोग उन्हें गंदा समझते हैं उनकी सोच गलत है। उन्होंने कहा कि वह बोल्ड सीन देखकर बड़ी हुई हैं और उन्हें ऐसे सीन करने में कोई परेशानी नहीं है।

आरसीबी को बड़े अंतर से हराने उतरेगी सनराइजर्स

हैदराबाद, एजेंसी।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में गुरुवार को सनराइजर्स हैदराबाद टीम अपने घरेलू मैदान पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को बड़े अंतर से हराने के इरादे से उतरेगी। सनराइजर्स जहां इस सत्र में पांच मैच जीतकर 10 अंक लेकर तीसरे स्थान पर है, वहीं आरसीबी की टीम केवल एक जीत के साथ 2 अंक लेकर दसवें नंबर पर है। ऐसे में इस मैच में उतरते समय भी सनराइजर्स का मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा जबकि आरसीबी दबाव में रहेगी। इस सत्र में अब तक के प्रदर्शन को देखते हुए सनराइजर्स की टीम आरसीबी से कहीं आगे है।

सनराइजर्स ने इस सत्र में शुरुआत से ही आक्रामक रणनीत अपनायी है जिसका उसे लाभ भी हुआ है। अब इस मैच में भी वह तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए बड़ा स्कोर बनाना चाहेगी क्योंकि उसे मालूम है कि आरसीबी का गेंदबाजी आक्रमण कमजोर है। सनराइजर्स ने इस सत्र में आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर बनाने के साथ ही तीन बार तीन बार 250 रनों से अधिक बनाये हैं। उससे इससे पहले हुए मुकाबले में आरसीबी के खिलाफ तीन विकेट पर 287 रन बनाकर सबसे बड़े स्कोर का रिकार्ड बनाया था। टीम का लक्ष्य पावरप्ले में तेजी से बल्लेबाजी कर विरोधी गेंदबाजों पर दबाव बनाना रहा है। ऐसे में अब उसे रोकना आरसीबी के गेंदबाजों के लिए आसान नहीं रहेगा। ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा की जोड़ी इस मैच में भी नये रिकार्ड कायम करना चाहेगी। इसके अलावा हेनरिच क्लासेन और ऐडन मार्कराम जैसे बल्लेबाजी भी उसके पास हैं। वहीं गेंदबाजी की कमान कप्तान पैट कमिंस और भुवनेश्वर कुमार संभालेंगे।

वहीं दूसरी ओर आरसीबी को गेंदबाजी आक्रमण को बेहतर करना होगा। आरसीबी की ओर से अब तब सात विकेट लेकर सबसे अच्छी गेंदबाजी यश दयाल ने की है पर वह भी 24वें स्थान पर है। आरसीबी की टीम आठ में से सात मैच हाकर 2 अंक लेकर सबसे नीचे है। आरसीबी ने अपने पिछले पांच मैच में कम से कम 180 रन दिये हैं और पिछले दो मैच में प्रतिद्वंद्वी टीम ने उसके खिलाफ 200 से ज्यादा रन बनाये हैं। आरसीबी के बल्लेबाजों ने अपनी गेंदबाजी की खामियों को पूरी करने का प्रयास किया है पर वह सफल नहीं हुई। आरसीबी के बल्लेबाजों ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मैच में काफी रन बनाये पर इसके बाद भी वह एक रन से हार गयी। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने अब तक टूर्नामेंट में आरसीबी की ओर से सबसे अधिक 379 रन बनाये हैं। इसके अलावा कप्तान फाफ डुप्लेसी ने भी अच्छी पारियां खेली हैं। दूसरी ओर हैदराबाद टीम के हेड और अभिषेक किसी भी शॉट लगाने के किसी भी अवसर को नहीं छोड़ते। हेनरिच क्लासेन भी उनका पूरा साथ देते हैं। ऐसे में इस मैच में सनराइजर्स जीत की प्रबल दावेदार के तौर पर उतरेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

सनराइजर्स हैदराबाद: पैट कमिंस (कप्तान), अब्दुल समद, अभिषेक शर्मा, ऐडन मार्कराम, मार्को जानसन, राहुल त्रिपाठी, वाशिंगटन सुंदर, ग्लेन फिलिप्स, सनवीर सिंह, हेनरिक क्लासेन (विकेटकीपर), भुवनेश्वर कुमार, मयंक अग्रवाल, टी नटराजन, अनमोलप्रीत सिंह, मयंक मारकंडे, उपेन्द्र सिंह यादव (विकेटकीपर), उमरान मलिक, नीतिश कुमार रेड्डी, फजलहक फारूकी, शाहबाज अहमद, ट्रेविस हेड, जयदेव उनादकट, आकाश सिंह, जे सुब्रमण्यन।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु: फाफ डुप्लेसी (कप्तान), ग्लेन मैक्सवेल, विराट कोहली, रजत पाटीदार, अनुज रावत (विकेटकीपर), दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), सूयश प्रभुदेसाई, विल जैक्स, महिपाल लोमरोर, कर्ण शर्मा, मनोज भंडागे, मयंक डागर, विजयकुमार विशाक, आकाशदीप, मोहम्मद सिराज, रीस टॉप्ले, हिमांशु शर्मा, रंजन कुमार, कैमरन ग्रीन, अल्जारी जोसफ, यश दयाल, टॉम कुरेन, लॉकी फरग्यूसन, स्वप्निल सिंह और सौरव चौहान।

51 साल के हुए सचिन को जन्मदिन पर मिलीं शुभकामनाएं

मुंबई, एजेंसी।

महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर बुधवार 24 अप्रैल को 51 साल के हो गए। जन्मदिन के अवसर वर सचिन को साथी खिलाड़ियों और प्रशंसकों ने बधाई दी है। सचिन संन्यास के इतने समय बाद भी क्रिकेट जगत में छाये हुए हैं। उन्हें प्रशंसक क्रिकेट का भगवान तक मानते हैं। अपने दो दशक से अधिक समय के सबसे लंबे करियर में सचिन ने सबसे अधिक 100 शतक लगाने के साथ ही 200 टेस्ट खेले। ये उपलब्धि हासिल करने वाले वह विश्व के एकमात्र खि?लाड़ी हैं। अंतर राष्ट्रीय क्रिकेट में मास्टर ब्लास्टर के नाम से लोकप्रिय सचिन ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भी धमाकेदारी क्रिकेट खेला।

आईपीएल में जहां हर एक खिलाड़ी की नीलामी होती है। वहीं सचिन और कुछ वरिष्ठ खिलाड़ी ही ऐसे हैं जो बिना नीलामी में उतरे इसमें शामिल हुए। इसका कारण है कि आईपीएल प्रबंधन और बीसीसीआई ने उन्हें बिना नीलामी के लिए शामिल किया। तब बोर्ड के मन में ये डर था कि क्रिकेट के भगवान सचिन और बाकी दिग्गज खिलाड़ियों की बोली लगाने से प्रशंसक नाराज हो जाएंगे। इसलिए सचिन के साथ ही कुछ दिग्गज खिलाड़ियों को नीलामी में नहीं भेजा गया। इसके बाद 5 खिलाड़ियों को मार्की प्लेयर बनाया गया।मतलब इन्हें पहले ही कुछ फ्रेंचाइजी अपनी टीम में शामिल कर लेंगी। यह 5 खिलाड़ी सचिन, सौरव गांगुली, वीरेंद्र सहवाग, राहुल द्रविड़ और युवराज सिंह।

सचिन को मुंबई इंडियंस, गांगुली को कोलकाता नाइट राइडर्स, सहवाग को दिल्ली डेयरडेविल्स (अब दिल्ली कैपिटल्स), द्रविड़ को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और युवराज को किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) ने शामिल किया।सचिन को मुंबई ने पहले ही सत्र में साइन किया। इसके लिए फ्रेंचाइजी ने मास्टर ब्लास्टर को एक सीजन के लिए 4 करोड़ 48 लाख 50 हजार रुपये फीस दी। 2010 सीजन तक सचिन की फीस यही रही। इसके बाद उनकी फीस बढ़ाकर 8 करोड़ 28 लाख रुपये कर दी गई। सचिन ने 2013 सीजन के बाद आईपीएल से संन्यास ले लिया था।

लीवर कप के बाद नहीं खेलेंगे नडाल

बार्सिलोना, एजेंसी।

स्पेन के टेनिस स्टार रफेल नडाल ने कहा है कि 2024 एटीपी टूर उनका आखिरी साल हो सकता है। नडाल के अनुसार वह सितंबर में बर्लिन में लीवर कप के बाद नहीं खेलेंगे। ऐसे में ये उनका अंतिम टूर्नामेंट हो सकता है। नडाल 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन रहे हैं। इससे पहले उन्होंने पिछले सप्ताह ही बार्सीलोना ओपन में एलेक्स डि मिनोर के खिलाफ दूसरे दौर में हार के बाद कहा था कि यह शायद यहां उनका अंतिम मैच था। नडाल ने बार्सीलोना में अब तक 12 बार खिताब जीते हैं। इस खिलाड़ी ने कहा, ''अपने करियर के इस चरण में मैं वास्तव में वहां जाना चाहता हूं और मुझे दिए गए हर अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाना चाहता हूं।'' फिट नहीं होने से उन्होंने इस साल केवल पांच प्रतिस्पर्धी मैच खेले हैं। गौरतलब है कि लीवर कप एक इनडोर हार्डकोर्ट पुरुष प्रतियोगिता है जो गोल्फ के राइडर कप के समान प्रारूप में विश्व टीम और यूरोप टीम के बीच खेला जाता है। नडाल ने कहा, ''मैं टीम यूरोप के लिए बर्लिन में लीवर कप खेलने को लेकर बहुत खुश हूं।'' उन्होंने कहा, ''मेरे पास लीवर कप के अनुभवों की कुछ विशेष यादें हैं जिनमें दो साल पहले अंतिम बार रोजर फेडरर के साथ खेलना भी शामिल है। नडाल को तब फेडरर ने अपना जोड़ीदार बनाया है।

चहल को नहीं शामिल करने का दुख हमेशा रहेगा : हेसन

नई दिल्ली, एजेंसी। राजस्थान रॉयल्स की ओर से इस आईपीएल सत्र में शानदार गेंदबाजी कर पर्पल कैप के दावेदार बने युजवेंद्र चहल ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है। टीम इंडिया से बाहर चल रहे चहल अपने इस प्रदर्शन से जहां टी20 विश्वकप के लिए भी जगह के दावेदार बन गये हैं। वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के पूर्व क्रिकेट निदेशक माइक हेसन भी इस बात को लेकर पछता रहें हैं कि उन्होंने पिछली बार हुई नीलामी में क्यों इस स्पिनर को शामिल नहीं किया था। हेसन ने कहा है कि चहल को टीम में नहीं रखने का उन्हें अब भी दुख है। हेसन ने कहा कि तब आईपीएल की नीलामी में गलत आंकलन के कारण ही वह इस लेग स्पिनर को टीम में नहीं रख पाये थे। चहल आईपीएल में इस बार 200 विकेट वाले आईपीएल इतिहास के पहले गेंदबाज भी बने हैं। हेसन ने पूर्व भारतीय बल्लेबाज रोबिन उथप्पा से बात करते हुए कहा, 'चहल एक ऐसा खिलाड़ी है जिसे लेकर मैं तब तक निराश रहूंगा जब तक कि मैं अपना करियर समाप्त नहीं कर लेता और शायद उसके बाद भी। वह एक उत्कृष्ट गेंदबाज है। मुझे लगता है कि जब हर चक्र की बात आती है तो आपको यह तय करना होता है कि आप किसे रिटेन (बरकरार) रखना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'अगर आप केवल तीन खिलाड़ियों को रिटेन करते हैं तो आप नीलामी में चार करोड़ रुपए अतिरिक्त लेकर जाते हैं। इससे संभावित रूप से हमें हर्षल पटेल और चहल दोनों को खरीदने का अवसर मिलता। हेसन ने कहा कि

रोहित-कोहली टी20 विश्वकप में पारी की शुरुआत करे : गांगुली

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने विराट कोहली की जमकर सराहना करते हुए कहा है कि उन्हें टी20 विश्वकप में रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करनी चाहिये। गांगुली

ने कहा कि विराट में 40 गेंदों में ही शतक लगाने की क्षमताएं हैं। विराट ने इस आईपीएल सत्र में तेजी से खेलते हुए सबसे अधिक रन बनाये है पर इसके बाद भी उनके स्ट्राइक रेट पर सवाल उठे हैं। कोहली ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 67 गेंदों में 100 रन बनाए थे पर इसके बाद भी कहा गया कि उनका स्ट्राइक रेट कम है। इस पर गांगुली ने कहा, 'विराट के पास 40 गेंदों में 100 रन बनाने की भी क्षमताएं है। साथ ही कहा कि भारतीय टीम को टी20 विश्व कप में जीत के लिए उस प्रकार के सलामी बल्लेबाजों की जरुरत है जो मैदान में उतरते ही बड़े शॉट लगा सकें। इसके बाद दिखेगा कि पांच से छह ओवर के बाद क्या होगा। ऐसे में कोहली-रोहित से पारी की शुरुआत करना सबसे बेहतर फैसला रहेगा।

गांगुली का मानना है चयन समिति, कोच राहुल द्रविड़ और रोहित टी20 विश्व कप के लिए टीम के सबसे बेहतर खिलाड़ियों का चयन करेंगे। उन्होंने कहा, 'अगर आप मुझसे पूछें और यह सिर्फ मेरी निजी राय है और मैं यह नहीं कह रहा हूं कि चयनकर्ताओं को ऐसा ही करना चाहिए क्योंकि टीम संयोजन को लेकर आखिरी फैसला उनका ही होता है।

गांगुली ने कहा कि टी20 विश्व कप का चयन आईपीएल के केवल एक चरण पर आधारित नहीं होना चाहिए। आपको हर प्रदर्शन को देखना चाहिये। एक अच्छी टीम में अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का बेहतर संतुलन होता है। भारत के पास अभी कई अनुभवी खिलाड़ी और युवा खिलाड़ी है।

हरभजन बोले, सैमसन और यशस्वी को टी20 विश्वकप के लिए शामिल करें

जयपुर, एजेंसी। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन और बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की जमकर प्रशंसा की है। हरभजन ने कहा कि इन दोनो को ही जून में अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी20 विश्वकप के लिए भी जगह मिलनी चाहिये। हरभजन के अनुसार सैमसन को वाले समय में भारतीय टी20 टीम की कप्तानी दी जानी चाहिये। साथ ही कहा कि जिस प्रकार से सैमसन ने आईपीएल मे राजस्थान रॉयल्स की कप्तान करते हुए उसे शीर्ष पर पहुंचाया है उससे उनकी नेतृत्व क्षमता का पता चलता है। ऐसे में उसे रोहित शर्मा के बाद अगले टी20 कप्तान के तौर पर तैयार किया जाना चाहिये। इसके अलावा सैमसन ने कप्तानी के दौरान जबरदस्त बल्लेबाजी भी की है और उनपर किसी भी प्रकार का दबाव नहीं दिखा है। वहीं यशस्वी को लेकर हरभजन ने कहा, मुम्बई इंडियंस के खिलाफ यशस्वी की शतकीय पारी इस बात को साबित करती है कि फार्म आता-जाता रहता है पर क्लास स्थायी होती है, यशस्वी की फॉर्म अस्थायी है। इसलिए उन्हें शामिल किये जाने पर किसी प्रकार की आशंकाएं नहीं होनी चाहिये।

26 अप्रैल से नामांकन, शिंदे सेना या बीजेपी ?

मुंबई की 3 सीटों को लेकर महायुति में टेंशन

मुंबईः लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण के लिए शुक्रवार 26 अप्रैल से नामांकन शुरू हो जाएगा, लेकिन महायुति (बीजेपी, शिंदे सेना, अजित पवार एनसीपी गठबंधन) में आधी से ज्यादा सीटों पर उम्मीदवार तय नहीं हो पाए हैं। बीजेपी और शिंदे सेना अब भी सीट बंटवारे पर माथापच्ची कर रही हैं। सबसे बुरी हालत तो मुंबई की 6 सीटों पर है, जहां मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने तीन सीटों पर लड़ने की घोषणा की

है। बीजेपी ने दो और शिंदे सेना ने एक सीट पर उम्मीदवारों नामों की घोषणा भी कर दी है। बाकी की तीन सीटों पर अनिश्चितता कायम है। महायुति में सीट बंटवारे का मामला बहुत पेंचीदा हो गया है। शिंदे सेना और बीजेपी में जबरदस्त खींचतान मची है। हालांकि, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने साफ शब्दों में कई बार कहा है कि मुंबई की 6 सीटों में से तीन पर बीजेपी और तीन पर हमारी पार्टी चुनाव लड़ेगी। इसके अलावा, सीएम शिंदे ने यह भी स्पष्ट कहा था कि ठाणे और कल्याण सीट पर भी उनकी ही पार्टी का उम्मीदवार होगा, क्योंकि इन सभी सीटों पर हमारी ही पार्टी का उम्मीदवार जीता था।

'PM मोदी की उपलब्धियां हिमालय जैसी

एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे पर कसा तंज; कही यह बात

छत्रपति संभाजीनगर। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने विगत 10 साल की पीएम मोदी की उपलब्धियों की तुलना हिमालय की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस द्वारा किया गया कार्य एक टीले के समान है। एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने उद्धव ठाकरे पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि उन्होंने इतनी तेजी से रंग बदलने वाला ह्यगिरगिटह्ण कभी नहीं देखा था। यह लोकसभा चुनाव प्रगति, विकास और नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने को लेकर है। शिंदे ने कहा,पीएम मोदी द्वारा पिछले 10 वर्षों में किए गए काम की तुलना हिमालय की ऊंचाई से की जा सकती है, जबकि कांग्रेस द्वारा किया गया काम एक टीला जैसा है। उन्होंने दावा किया कि

यहां तक कि सो रहा एक व्यक्ति भी कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तुलना में मोदी को पसंद करेगा क्योंकि देश को एक ऐसा प्रधानमंत्री मिला है, जिसने पिछले 10 वर्षों में एक दिन की भी छुट्टी नहीं ली है। लोगों से मोदी को वोट देने की अपील करने वाले ठाकरे के पुराने भाषण की एक आडियो क्लिप चलाते हुए शिंदे ने कहा कि उन्होंने इतनी तेजी से रंग बदलने वाला गिरगिट कभी नहीं देखा। शिंदे ने पड़ोस की जालना लोकसभा सीट से भाजपा नेता और महायुति उम्मीदवार रावसाहेब पाटिल दानवे के लिए भी वोट मांगे।

सलमान खान के घर पर गोलियां चलाने वालों को राहत नहीं

कोर्ट ने इतने दिनों तक बढ़ाई आरोपियों की पुलिस कस्टडी

मुंबई। बॉलीवुड स्टार सलमान खान के घर के बाहर गोलीबारी के मामले में गिरफ्तार दोनों आरोपियों की एक कोर्ट ने पुलिस हिरासत 29 अप्रैल तक बढ़ा दी। यह गोलीबारी सलमान के मुंबई के पॉश इलाके बांद्रा स्थित घर के बाहर की गई थी। बिहार के रहने वाले आरोपी 24 वर्षीय विक्की गुप्ता और 21 वर्षीय सागर पाल की पिछली रिमांड गुरुवार को खत्म हो गई, जिसके बाद उन्हें

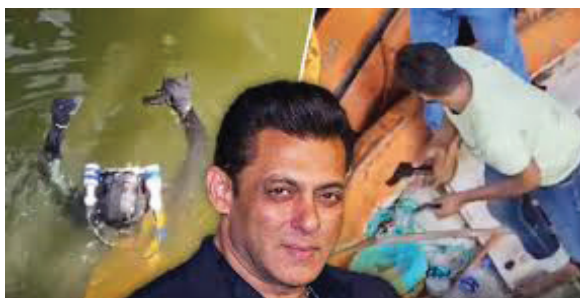

मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया गया।दरअसल, पुलिस ने कोर्ट से दोनों आरोपियों की हिरासत चार दिन बढ़ाने की मांग की थी, जिससे कि उनके गोली चलाने के मंसूबों का पता लगाया जा सके। आरोपियों की तरफ से पेश वकील अमित मिश्रा ने तर्क दिया कि उनके मुवक्किल की आगे की हिरासत की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि गोलीबारी में इस्तेमाल किया गया हथियार बरामद कर लिया गया है और दोनों पुलिस जांच में सहयोग कर रहे हैं।दोनों पक्षों को सुनने के बाद अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट एलएस पधेन ने विक्की गुप्ता और सागर पाल की हिरासत 29 अप्रैल तक बढ़ा दी।

प्रकाश अंबेडकर की श्इअ महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन का हिस्सा

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने सोमवार को कहा कि कुछ महीनों में होने वाले लोकसभा चुनावों में सत्तारूढ़ भाजपा का मुकाबला करने के लिए प्रकाश अंबेडकर के नेतृत्व वाली वंचित बहुजन अगाड़ी (वीबीए) महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन का ह्लपूरी तरह से हिस्साह्व है। यहां पत्रकारों से बात करते हुए, राउत ने कहा कि अंबेडकर ने लोकसभा चुनाव और सीट-बंटवारे के फॉर्मूले के संबंध में राकांपा प्रमुख शरद पवार और सेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के साथ कई बार बातचीत की

है। राउत ने कहा, ह्लअतीत में, अंबेडकर ने महाराष्ट्र के अकोला से लोकसभा चुनाव लड़ा था। वह इस बार भी चुनाव लड़ सकते हैं। हम उनके साथ हैं। वीबीए एमवीए का ही हिस्सा है।महा विकास अघाड़ी (एमवीए) में शिवसेना (यूबीटी), शरद पवार के नेतृत्व वाली राकांपा और कांग्रेस शामिल हैं।बता दें कि महाराष्ट्र में 48 लोकसभा सीटें हैं। राउत ने दावा किया, ह्लकुछ फैसले पहले ही किए जा चुके हैं। महाराष्ट्र के लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वोट नहीं देंगे, जो डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान को नुकसान पहुंचा रहे हैं शिव सेना (यूबीटी) और प्रकाश अंबेडकर की वंचित बहुजन अघाड़ी ने पिछले साल जनवरी में गठबंधन की घोषणा की थी।

हालांकि, वीबीए के विपक्षी इंडिया ब्लॉक का हिस्सा होने की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, जो लोकसभा चुनावों में सत्तारूढ़ एनडीए से मुकाबला करने के लिए कई दलों द्वारा बनाया गया गठबंधन है।

दो लापता बच्चों के शव एक कार से हुए बरामद

मुंबई। मुंबई के एंटॉप हिल इलाके में 5 और 7 साल के दो लापता बच्चों के शव एक कार में पाए गए हैं। बच्चों के शरीर पर कोई चोट के निशान नहीं हैं। माना जा रहा है कि बच्चों ने खेलते वक्त खुद को कार में बंद कर लिया और दम घुटने से उनकी मौत हो गई। मामले में एक अऋ दर्ज कर लिया गया है लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट का अभी भी इंतजार है। इस घटना की जानकारी मुंबई पुलिस ने दी है। मामले की जांच की जा रही है।एक अधिकारी ने गुरुवार को कहा कि घंटों से लापता दो बच्चे मध्य मुंबई के एनोटीपी हिल में एक खड़ी कार के अंदर मृत पाए गए, पुलिस को संदेह है कि दम घुटने के कारण बच्चों की जान चली गई।अधिकारी ने कहा, कार अंदर से लॉक थी और ऐसा लगता है कि बच्चे इसे नहीं खोल सके। मुस्कान मोहब्बत शेख (5) और साजिद मोहम्मद शेख (7) बुधवार दोपहर अपने घर के बाहर खेल रहे थे, जहां कार खड़ी थी।जब बच्चे शाम तक घर नहीं लौटे तो उनके माता-पिता ने उनकी तलाश शुरू की।अधिकारी ने कहा, इसके बाद, उन्होंने एंटॉप हिल पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी की शिकायत भी दर्ज कराई। कुछ घंटों बाद, एक दर्शक ने बच्चों को कार के अंदर बेहोश पड़ा पाया। अधिकारी ने कहा, वाहन के दरवाजे खोले गए और बच्चों को अस्पताल ले जाया गया लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अधिकारी ने कहा, प्रथम दृष्टया, ऐसा लगता है कि बच्चों की दम घुटने से मौत हो गई क्योंकि वे कार के अंदर बंद थे उन्होंने कहा कि पुलिस इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कर रही है और सभी संभावित कोणों से जांच कर रही है। फिलहाल दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज किया गया है।

2007 में भिवंडी में हुई आभूषण दुकान डकैती में वांछित व्यक्ति हुआ गिरफ्तार, दो आरोपी अभी भी फरार

ठाणे। 17 साल से फरार एक हिस्ट्रीशीटर को ठाणे जिले के भिवंडी में पकड़ा गया। एक पुलिस अधिकारी ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी।गणेशपुरी पुलिस थाने के सहायक निरीक्षक डीटी सोनके ने बताया कि अन्नाजी जाधव (57) को बुधवार को अंबाडी गांव से पकड़ा गया। उन्होंने कहा, 2007 में, वह एक आभूषण की दुकान में सशस्त्र डकैती का हिस्सा था। उस समय 19 लाख रुपये के आभूषण लूटे गए थे। अपराध के लिए कुल 17 लोगों को गिरफ्तार किया गया था और 14 लाख रुपये का सामान बरामद किया गया था।अधिकारी ने कहा, जाधव की इस मामले में 18वीं गिरफ्तारी है। उन्हें एक गुप्त सूचना पर उनके घर से गिरफ्तार किया गया था। दो लोग अभी भी फरार हैं।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने महिला को दी निजी अस्पताल में गर्भपात की अनुमति, जांच के बाद दायर की थी याचिका

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने गुरुवार को एक महिला को उसकी 27 सप्ताह की गर्भावस्था को एक निजी अस्पताल में गर्भपात करने की अनुमति दे दी है। मालूम हो कि महिला जन्मजात असामान्यताओं का सामना कर रही थी। कोर्ट ने यह अनुमति सरकारी अस्पताल में सुविधा उपलब्ध नहीं होने के बाद दी है। मालूम हो कि सरकारी जेजे अस्पताल के मेडिकल बोर्ड ने महिला की जांच करने के बाद उसे गर्भपात करने की अनुमति दे थी।

बोर्ड ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि यदि गर्भपात के दौरान महिला का बच्चा अगर जीवित पैदा होता है तो उसे नवजात गहन देखभाल इकाई में भर्ती किया जाएगा।

वहीं, महिला ने इस मामले में कोर्ट में याचिका दायर कर अपनी पसंद के निजी अस्पताल में गर्भपात कराने की मांग की थी। न्यायमूर्ति एएस चंदुरकर

और न्यायमूर्ति जितेंद्र जैन की खंडपीठ ने इस सप्ताह की शुरूआत में यह जानना चाहा था कि क्या गर्भपात की यह सुविधा नगर निगम द्वारा संचालित कूपर अस्पताल या सरकारी जेजे अस्पताल में है या नहीं। मामले पर सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता बीरेंद्र सराफ ने पीठ को सूचित किया कि महिला गर्भवती से गुजर सकती है। हालांकि, गर्भपात की यह सुविधा कूपर या जेजे अस्पताल में उपलब्ध नहीं है। उन्होंने कहा कि महिला को वाडिया अस्पताल में रेफर किया जा सकता है, जिसका प्रबंधन कुछ हद तक नगर निकाय द्वारा किया जाता है। मालूम हो कि मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी एक्ट में हालिया संशोधन के कारण एक महिला सरकार द्वारा स्थापित मेडिकल बोर्ड की अनुमति के बाद ही गंभीर असामान्यताओं के मामले में 24 सप्ताह की गर्भधारण अवधि से परे गर्भावस्था को समाप्त कर सकती है। हालांकि, इस तरह की समाप्ति आमतौर पर सरकारी अस्पतालों में की जाती है।

महाराष्ट्र की परभणी लोकसभा सीट पर संजय जाधव जड़ेंगे हैट्रिक या महादेव जानकर मारेंगे बाजी ?

मुंबईः 2024 लोकसभा चुनावों के दूसरे चरण में महाराष्ट्र की कुल आठ लोकसभा सीटें पर 26 अप्रैल यानी शनिवार को वोट डाले जाएंगे। इन आठ लोकसभा सीटों में परभणी लोकसभा सीट भी शामिल है। इस लोकसभा सीट से कुल 34 उम्मीदावार मैदान में हैं। महाविकास आघाड़ी (टश्अ) में यह सीट शिवसेना (यूबीटी) के खाते में रही थी। पार्टी ने इस सीट से संजय जाधव को मैदान में उतारा है तो वहीं महायुति में यह सीट अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (ठउढ) को मिली है। अजित पवार ने बारामती में समीकरण अपने पक्ष में करने के उद्देश्य से यह सीट महायुति के घटक दल राष्ट्रीय समाज पक्ष (फ्रढ) नेता महादेव जानकर को दी है। महादेव जानकर के इस सीट से उतरने के बाद परभणी महाराष्ट्र में चर्चा में है। चुनाव प्रचार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने परभणी में महादेव जानकर के समर्थन में सभा करके विजयी बनाने की अपील की थी। इसके बाद शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे भी परभणी पहुंचे थे और उन्होंने कहा था कि यह चुनाव डिक्टेटरशिप बनाम डेमोक्रेसी है। महादेव जानकर महायुति के प्रत्याशी हैं। वे अपनी पार्टी राष्ट्रीय समाज पक्ष (फ्रढ) से ही लड़ रहे हैं। उनकी पार्टी का चुनाव चिन्ह सीटी है। अब देखने हैं कि 2024 के चुनावों में महादेव जानकर का दिल्ली जाने का सपना पूरा होता है या फिर नहीं। 2014 महादेव जानकर बारामती लोकसभा सीट से लड़े थे। उन्होंने तब 4,51,843 वोट हासिल किए थे।

परभणी सीट पर अविभाजित शिवसेना का दबदबा रहा है। यह पहला मौका है जब शिवसेना का चुनाव चिन्ह धनुष बाग परभणी से गायब है, क्योंकि धनुष बाण चुनाव चिन्ह एकनाथ शिंदे की शिवसेना के पास है और पार्टी को यह सीट नहीं मिली है, तो वहीं उद्धव ठाकरे की सेना से लड़ रहे संजय जाधव मशाल पर वोट देने की अपील कर रहे हैं। शिवसेना का इस लोकसभा सीट पर 1999 से कब्जा है। ऐसे में

क्या उद्धव ठाकरे इस सीट को बचा पाएंगे? यह सवाल काफी अहम है।पार्टी ने पिछले दो बार से जीत रहे संजय जाधव पर ही दांव खेला है। इस लोकसभा क्षेत्र में किसी एक पार्टी का वर्चस्व नहीं है। लोकसभा में आने वाली छह विधानसभा सीटों में दो बीजेपी के पास हैं। एक सीट उद्धव ठाकरे की सेना और एक सीट कांग्रेस के पास है। बाकी की दो सीटों में एक सीट शरद पवार की अगुवाई एनसीपी और एक सीट राष्ट्रीय समाज पक्ष के पास है। इस लोकसभा क्षेत्र में परभणी जिले के अलावा जालना का हिस्सा भी लगता है। मराठा आरक्षण को देखते हुए भी इस सीट के परिणाम पर सभी नजरें टिकी हैं। परभणी ने दंगल में बीएसपी और प्रकाश आंबेडकर की अगुवाई वाली वंचित बहुजन आघाड़ी ने भी अपने कैंडिडेट उतारे हैं। परभणी जिला महाराष्ट्र के मराठावाड़ा का हिस्सा है। आजादी से पहले यह पूरा इलाका हैदराबाद के निजाम की रियासत का हिस्सा था। परभणी में 24 फीसदी से अधिक मुस्लिम आबादी है। महाराष्ट्र की बदली सिसायत का इस सीट पर पूरा टेस्ट होने की उम्मीद है। शिवसेना यूबीटी कैंडिडेट संजय जाधव की सभाओं में मुस्लिम कार्यकताओं की भीड़ देखी गई है। देखना होगा कि पिछले बार हिंदुत्व के आधार पर जीते संजय जाधव क्या मुस्लिम वोटों को हासिल कर पाएंगे या फिर महादेव जानकर उन पर भारी पड़ेंगे। महादेव जानकर धनगर समाज के बड़े नेता है और वह राज्य में पहले मंत्री रह चुके हैं। इस सीट पर महायुति और महाविकास आघाड़ी दोनों गठबंधनों के नेताओं की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक - मुर्तुजा मामाजीवालाा के द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4, ग्राउंड फ्लोअर, एन. के इंडस्ट्रिअल इस्टेट , ऑफ आरे रोड , प्रवासी इंडस्ट्रिअल इस्टेट के पास , गेट नं. 2, गोरेगाव (पूर्व),मुंबई - 400063 से मुद्रित कर शिव वातुक सेना कासिम नगर नियर लक्ष्मी इस्टेट न्यू लिंक रोड, अधेरी (प),मुंबई -400053 प्रकाशित । संपादक: मुर्तुजा मामाजीवाला मों. 9819199997

■ T.C. NO. MAHHIN10172 ■ ईमेल: newsicon2021@gmail.com ■ newsicon.net